हिंदू धर्म के अनुयायी तथा हिंदू धर्म में विश्वास रखने वाले लोग सौर वर्ष के पांचवें महीने को 'श्रावण' के रूप में मनाते हैं। इसे एक पवित्र महीना माना जाता है जिसमें भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है।

सावन के महीने में अगर पाना है अच्छा भाग्य तो जानें क्या करें और क्या ना करें

श्रावण पूर्णिमा से प्रारंभ होता है तथा इस दौरान सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करता है। इस महीने में कई हिंदू लोग उपवास रखते हैं। विशेष रूप से सोमवार को व्रत रखा जाता है जो भगवान शिव को समर्पित होता है तथा इसे 'श्रावण सोमवार व्रत' कहा जाता है। कुछ लोग मंगलवार को भी उपवास करते हैं जिसे 'मंगलागौरी व्रत' कहा जाता है।

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार निम्न तरीकों से आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं तथा दुर्भाग्य और बुरी शक्तियों से बच कर रह सकते हैं।

1. सुबह जल्दी उठकर पूजा अर्चना करें

सुबह सूर्योदय के पहले उठकर स्नान करें और पास के शिव मंदिर में जाएँ। शिवलिंग पर ठंडे दूध और पानी का मिश्रण चढाएं तथा साथ में 'ऊँ नम: शिवाय' का जप करते रहें।

2.प्रतिदिन शिवलिंग की पूजा करें

घर में सिद्ध पारद शिवलिंग (पारे से बना हुआ शिवलिंग) लायें तथा श्रावण के महीने में प्रतिदिन इसकी पूजा करें। इसे ठंडे दूध से नहलाएं तथा फिर ठंडे पानी से नहलाएं। इसे साफ करें तथा भगवान को बिल्व पत्र (बेल के पत्ते) और मिश्री चढाएं।

3.मछलियों को खाना खिलाएं

नियमित रूप से किसी झील, तालाब या नदी पर या ऐसी जगह जाएँ जहाँ पानी के जीव निवास करते हों तथा जीवों को आटे की गोलियाँ खिलाएं। मछलियों को खिलाते समय भगवान शिव का ध्यान करें। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

4.प्रतिदिन महामृत्युंजय जाप करें

ऐसे लोग जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ रही हैं उन्हें प्रतिदिन महामृत्युंजय का 108 बार जाप करने से लाभ होता है। जिन लोगों को संभव हो वे प्रत्येक श्रावण सोमवार को महामृत्युंजय हवन करें।

5.यदि शादी में देरी हो तो ऐसा करें

यदि वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ रही हैं या शादी में देरी हो रही है तो आपको शिवलिंग पर केसर युक्त दूध अर्पित करना चाहिए। ऐसा विश्वास है कि ऐसा करने से संबंधों में आने वाली सारी रुकावटें दूर हो जाती हैं तथा आपको भगवान शिव और देवी पार्वती का आशीर्वाद मिलता है।

क्या न करें

- कुछ ऐसे बातें है जिन्हें श्रावण के महीने में नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आपन केवल नकारात्मक उर्जा को आकर्षित करते हैं बल्कि आपके घर से शांति और समृद्धि भी चली जाती है।
- मांसाहार तथा शराब का सेवन न करें
- श्रावण के महीने में मांसाहार न करें तथा शराब का सेवन भी न करें।
- सांप को न मारें। श्रावण के महीने में सांप को न मारें। भगवान शिव को सांप अत्यंत प्रिय है।

बुधवार को गणेशजी के परिवार की पूजा से सभी तरह की बाधाएं दूर होती हैं

ऋद्धि और सिद्धि इनकी पत्नियां हैं, ऋद्धि से लाभ एवं सिद्धि से शुभ हुए यानि लाभ और शुभ ये इनके दो पुत्र माने जाते हैं। हर शुभ कार्य में भगवान श्री गणेश की पूजा की जाती है।

हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। गणपति की महिमा को सभी जानते हैं और यह भी जानते हैं कि वे माता पार्वती और भगवान शिव के पुत्र हैं। लेकिन बहुत कम लोग हैं जो इससे आगे गणेश के परिवार के बारे में जानते हैं, उनकी पत्नी और बच्चों के बारे में जानते हैं। जी हां भगवान श्री गणेश की पत्नियां भी हुई और बच्चे भी। मान्यता है कि यदि बुधवार के दिन इनके परिवार की पूजा की जाये तो भगवान श्री गणेश की कृपा अवश्य मिलती है।

प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जानी अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न के पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि देवगणों ने स्वयं उनकी अग्रपूजा का विधान बनाया है। शास्त्रों में एक बार जिक्र आता है कि भगवान शंकर त्रिपुरासुर का वध करने में जब असफल हुए, तब उन्होंने गंभीरतापूर्वक विचार किया कि आखिर उनके कार्य में विघ्न क्यों पडा। तब महादेव को ज्ञात हुआ कि वे गणेशजी की अर्चना किए बगैर त्रिपुरासुर से युद्ध करने चले गए थे। इसके बाद शिवजी ने गणेशजी का पूजन करके उन्हें लड्डुओं का भोग लगाया और दोबारा त्रिपुरासुर पर प्रहार किया, तब उनका मनोरथ पूर्ण हुआ।

सनातन एवं हिन्दू शास्त्रों में भगवान गणेश जी को, विघ्नहर्ता अर्थात सभी तरह की परेशानियों को खत्म करने वाला बताया गया है। पुराणों में गणेशजी की भक्ति शनि सहित सारे ग्रहदोष दूर करने वाली भी बताई गई हैं। हर बुधवार के शुभ दिन गणेशजी की उपासना से व्यक्ति का सुख-सौभाग्य बढता है और सभी तरह की रुकावटे दूर होती हैं।

अष्ट लक्ष्मी साधना विधिः

शुक्रवार की रात तकरीबन 09:00 बजे से 10:30 बजे के बीच गुलाबी कपडे पहने और गुलाबी आसान का प्रयोग करें। गुलाबी कपडे पर श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी का चित्र स्थापित करें। किसी भी थाली में गाय के घी के 8 दीपक जलाएं। गुलाब की अगरबत्ती जलाएं। लाल फूलो की माला चढाएं। मावे की बर्फी का भोग लगाएं। अष्टगंध से श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी के चित्र पर तिलक करें और कमलगट्टे हाथ में लेकर इस मंत्र का यथासंभव जाप करें।

मंत्र: ऐं हीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नम: स्वाहा।।

जाप पूरा होने के बाद आठों दीपक घर की आठ दिशाओं में लगा दें तथा कमलगट्टे घर की तिजोरी में स्थापित करें। इस उपाय से जीवन के आठों वर्गों में सफलता प्राप्त होगी।

श्री महालक्ष्मी पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी का पूजन सुख-समृद्धि की प्राप्ति कराता है। वैभव लाता है। महालक्ष्मी के पूजन में निम्न में से किसी भी एक मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए।

श्री महालक्ष्मी के पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी पूजन के दो सरल मंत्र हैं। जिनका उच्चारण भी सरल है। महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए रोज इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

श्री महालक्ष्म्यै नमः।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः।

श्री महालक्ष्मी के अन्य मंत्र-

शास्त्रों में देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई मंत्र हैं। जिनमें से तीन मंत्र इस प्रकारहैं। इन मंत्रों को तीव्र असरकारी कहा गया है।

लेकिन उच्चारण में कठिन है। इसलिए प्रशिक्षित होने पर ही इन मंत्रों का जाप करें।

एकाग्रता के लिए घर में हो वास्तु

जॉब हासिल करना सभी की ख्वाहिश होती है, लेकिन इसके लिए वर्तमान में कई तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करना होता है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है। ऐसे में आप जहां बैठकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं क्या वो बेहतर हैं यहां बेहतर से आशाय वास्तु से हैं। यहां ऐसे ही कुछ वास्तु टिप्स मौजूद है, जिन्हें आप आजमाते हैं तो संभव है आपकी एकाग्रशक्ति बढेगी और आप प्रतियोगी या अन्य परीक्षाओं में बेहतर अंक हासिल कर सकते हैं।

जहां भी पढने बैठें, उस स्थान को हमेशा साफरखें। स्टडी रूम हमेशा घर में पश्चिम या ईशान कोण में ही बनाना चाहिए। घर के नैऋत्य व आग्नेय कोण में बैठकर कभी भी पढाई न करें। पढते समय आपकी पीठ दरवाजे की तरफनहीं होनी चाहिए। ध्यान रखें पढते समय मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर ही हो। जिस भी रूप में पढते हों उस वह रूम पीले, क्रीम या नार्मल ब्राइट रंगों से पेंट होना चाहिए। ऐसे में आपकी एकाग्रता बनी रहेगी। स्टडी रूम में दौडते घोडों, और प्रेरक वाक्यों की तस्वीर लगाएं। ऐसे में ध्यान भटकने पर भी ध्यान केंद्रित होने में वक्त नहीं लगेगा।

शुक्रवार को करें मां लक्ष्मी का ये अदभुत पूजन और मंत्र का जाप, कभी नहीं होंगे धन अभाव

शक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। अगर आप काफी समय से आर्थिक तंगी में है तो अपने काम के साथ साथ मां लक्ष्मी का इस तरह पूजन अवश्य करें । शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी को चंचला कहा जाता है अर्थात जो कभी एक स्थान पर रूकती नहीं।

इन आठ लक्ष्मी की साधना करने से मानव जीवन सफल हो जाता है। अष्ट लक्ष्मी और उनके मूल बीज मंत्र इस प्रकार है। अष्ट लक्ष्मी साधना का उदेश जीवन में धन के अभाव को मिटा देना है।

शक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। अगर आप काफी समय से आर्थिक तंगी में है तो अपने काम के साथ साथ मां लक्ष्मी का इस तरह पूजन अवश्य करें । शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी को चंचला कहा जाता है अर्थात जो कभी एक स्थान पर रूकती नहीं। अत: लक्ष्मी अर्थात धन को स्थायी बनाने के लिए कुछ उपाय, पूजन, आराधना, मंत्र-जाप आदि का विधान है।

ऋषि विश्वामित्र के कठोर आदेश अनुसार लक्ष्मी साधना गोपनीय एवं दुर्लभ है तथा इसे गुप्त रखना चाहिए। ऐसा शास्त्रोक्त वर्णित है के समुद्र-मंथन से पूर्व सभी देवता निर्धन और ऐश्वर्य विहीन हो गए थे तथा लक्ष्मी के प्रकट होने पर देवराज इंद्र ने महालक्ष्मी की स्तुति की, जिससे प्रसन्न होकर महालक्ष्मी ने देवराज इंद्र को वरदान दिया कि तुम्हारे द्वारा दिए गए द्वादशाक्षर मंत्र का जो व्यक्ति नियमित रूप से प्रतिदिन तीनों संध्याओं में भक्तिपूर्वक जप करेगा, वह कुबेर सदृश ऐश्वर्य युक्त हो जाएगा।

ऐसा शास्त्रों में वर्णन आता है के महालक्ष्मी के आठ स्वरुप है। लक्ष्मी जी के ये आठ स्वरुप जीवन की आधारशिला है। इन आठों स्वरूपों में लक्ष्मी जी जीवन के आठ अलग-अलग वर्गों से जुडी हुई हैं। इन आठ लक्ष्मी की साधना करने से मानव जीवन सफल हो जाता है। अष्ट लक्ष्मी और उनके मूल बीज मंत्र इस प्रकार है।

अष्ट लक्ष्मी साधना का उद्देश जीवन में धन के अभाव को मिटा देना है। इस साधना से भक्त कर्जे के चक्रव्यूह से बहार आ जाता है। आयु में वृद्धि होती है। बुद्धि कुशाग्र होती है। परिवार में खुशाहाली आती है। समाज में सम्मान प्राप्त होता है। प्रणय और भोग का सुख मिलता है। व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होता है और जीवन में वैभव आता है।

श्री आदि लक्ष्मी - ये जीवन के प्रारंभ और आयु को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं।।

श्री धान्य लक्ष्मी - ये जीवन में धन और धान्य को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं क्लीं।।

श्री धैर्य लक्ष्मी - ये जीवन में आत्मबल और धैर्य को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं।।

श्री गज लक्ष्मी - ये जीवन में स्वास्थ और बल को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं।।

श्री संतान लक्ष्मी - ये जीवन में परिवार और संतान को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ हीं श्रीं क्लीं।।

श्री विजय लक्ष्मी यां वीर लक्ष्मी - ये जीवन में जीत और वर्चस्व को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ क्लीं ऊँ।।

श्री विद्या लक्ष्मी - ये जीवन में बुद्धि और ज्ञान को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ ऐं ऊँ।।

श्री ऐश्वर्य लक्ष्मी - ये जीवन में प्रणय और भोग को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं श्रीं।।

ऊँ श्रीं श्रियै नमः।
श्रीं हीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा ।
ऊँ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नमः।

भगवान कल्कि ही नहीं गणेश भी लेंगे अवतार

जब जब पृथ्वी पर दैत्यों के आतंक का साया रहा तब तब भगवान विष्णु, शिव, माता पार्वती यहां अवतरित हुए। भगवान गणेश भी चारों युगों में अवतरित हुए हैं।

सतयुग में गणेश जी महोत्कट विनायक के नाम से, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापर युग में शिवपुत्र गजानन के नाम से अवतरित हुए।

और इस तरह पृथ्वी के अंत में जब भगवान कल्कि अवतरित होंगे उसी दौरान भगवान गणेश धूम्रकेतु रूप में अवतरित होंगे। इस बात का उल्लेख हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलता है।

ये हैं गणेश परिवार

भगवान गणेश के पिता भोलेनाथ हैं। मां पार्वती उनकी मां है। भगवान मुरुगन यानी कार्तिकेय उनके भाई हैं, और गजानन की बहन अशोक सुंदरी हैं। भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं रिद्धि और सिद्धि। हालांकि दक्षिण भारत में गणेश जी को ब्रहमचारी के रूप में पूजा जाता है। गणेश जी के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ।

उन्हें मोदक प्रिय है। लाल रंग के फूल से गणेशजी जल्द प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उन्हें दुर्वा, शमी पत्र भी अर्पित करना चाहिए। गणेश जी के अस्त्र पाश और अकुश हैं। और वाहन मूषक।

बुद्धि के लिए रोज करें इन नामों का पाठ

हिंदू पौराणिक ग्रंथो में उल्लेखित है। यदि भगवान गणेश के इन बारह नामों का रोज पाठ करें तो बुद्धि, गृहक्लेश और समृद्धि आपके घर में रहेंगी। यह नाम क्रमश: सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन।

घर में धन की वर्षा होने लगेगी अगर वहां से तुरंत हटा देंगे ये चीजें

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर ऐसा बना हो, जो पूरी तरह से वास्तु के हिसाब से हो तथा घर में हमेशा सकारात्मकता आए और उसमें रहने वाले हर व्यक्ति की तरक्की हो।

मगर कई बार होता यह है कि हमारा घर तो वास्तु केहिसाब से ही बना होता है, मगर हम उसमें रखी कुछ चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते, जो हमारे घर के विनाश का कारण बन जाती है। वास्तु के अनुसार, घर में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिसका बुरा असर सीधे आपके पैसों पर पडता है।

इन चीजों को हटाने पर अगर आपने ध्यान नहीं दिया तो, आप कब गरीबी के रास्ते चले जाएंगे, आपको खुद ही मालूम नहीं पडेगा।

घर आपका चाहे जैसा हो, पर अगर आप उसमें से इन चीजों का सफाया कर देंगे तो, आप जीवन भर खुश और पैसे वाले बनें रहेंगे। आइये जानते हैं क्या हैं वे चीजें।

कबूतर का घोंसला

यह कहा जाता है कि घर में कबूतर का घोंसला होने गरीबी के साथ-साथ घर में अस्थिरता भी आ जाती है। अगर आपके घर में ऐसा ही एक घोंसला है, तो रसे घर से दूर रख दें।

मधुमक्खी का छत्ता

एक मधुमक्खी का छत्ता आप के लिए ना सिर्फखतरनाक ही है, बलकि यह घर में दुर्भाग्य और गरीबी को आकर्षित करता है। इसे घर से जल्द से जल्द दूर करें।

मकडी का जाला

घर में मकडी का जाला आपके जीवन में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का संकेत है --- तुरंत इसे हटाएं और अपने घर को साफकरें।

टूटा शीशा

यह ना खराब वास्तू का प्रतीक है बलकि यह घर में निगेटिव एनर्जी को भी आकर्षित करता है। इससे घर में गरीबी बनी रहती है।

चमगादड

चमगादड खराब स्वास्थ्य, दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों, गरीबी या यहां तक कि मौत के पदाधिकारी माने माने जाते हैं। यदि आप कि क्षेत्र में चमगादड दिखते हैं, तो सूर्यास्त के बाद सभी खिडकियां और दरवाजे सील कर दें, जिससे वह घर के अंदर ना आ पाएं।

दीवार में सेंध

दीवर में दरार या सेंध को तुरंत ठीक करवाएं नहीं तो घर में गरीबी आती है।

टपकने वाले नल

टपकने वाले नल ना सिर्फ पानी वेस्ट करते हैं बलकि घर की सकारात्मक ऊर्जा को घर के बाहर घसीटने का काम भी करते हैं।

घर की छत पर रखा कबाड

अक्सर लोगों की घरों की छतों पर कूडा या पुराना फर्नीचर पडा होता है, जिसे तुंरत साफ करना चाहिये नहीं तो गरीबी वास करने लगती है।

पुराने पूजा के फूल

रोज भगवान की पूजा करते समय जो फूल आप उन्हें चढाती हैं, वह दूसरे दिन पुराने हो जाते हैं। उस जगह को रोज साफकर के फूलों को हटा दिया कीजिये। नहीं तो इससे घर में गरीबी वास करने लगती है।

सूखी पतियां

घर में लगे पेड पौधों की सूखी पतियों को काट कर अलग कर दिया करें। साथ ही घांस-फूंस को झाडू मार कर बाहर फेक दिया करें नहीं तो गरीबी आ सकती है।

लूज हुआ तार

घर में लूज या खराब तार नहीं रखना चाहिये। या फिर घर का कोई भी एलेक्ट्रिक अप्लायंस अगर काम करना बंद कर दे तो या तो उसे तुरंत रिपेयर करवाएं या फिर उसे घर से हटा दें।